

(b) Yes.

(c) None.

Shortage of Shotgun Cartridges in Delhi

332. Shri Maheswar Naik: Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Delhi is facing an acute shortage of shotgun cartridges of the indigenous make and few shops which have small stocks are selling these cartridges at twice the fixed price;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the steps taken to meet the situation?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hathi):

(a) Yes, Sir. But no complaint has been received that these cartridges are sold at price higher than that fixed.

(b) Ordnance factories under Central Government are primarily engaged in the production of more important items required for the defence of the country; and

(c) It is proposed to increase the capacity of ordnance factories.

12 hrs.

RE. GOA

श्री मधू लिमये (मुंबेर) : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि जनवरी के अन्त में मैंने गोसा को महाराष्ट्र के साथ और दमन और दीव को... (इंटर-प्रांज) मूझ को नियम आदि सब पढ़ने दीजिये फिर आप अपना फैसला बीजिये ।

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये । मैं फैसला क्यों दे सकता हूँ, यह मैं आपको बतला देता हूँ । मैंने कई बार कहा है कि

जो काम सामने न हो, उसके मूताल्लिक उसके सम्बन्ध में कोई व्यवस्था का प्रश्न नहीं उठ सकता है । हम सवाल ले रहे थे और आपने एक और चीज शुरू की । सवाल खत्म हुए और हम दूसरा विजनेस लेने लगे तो आपने दूसरी चीज उठा दी । जो चीज सामने हो उससे बाहर कोई चीज अगर उठाना चाहते हैं तो पहले मूझ को चिट्ठी लिखें, मैं आपको वक्त दूंगा और फिर आप उठावें । किसी वक्त भी जब आपका जो चाहे नियमावली के सम्बन्ध में या किसी और चीज के सम्बन्ध में आप क्वेश्चन उठाना चाहें तो नहीं उठा सकते हैं । जिस चीज का मूझे पता नहीं है, उसको मैं इस तरह से उठाने की इजाजत नहीं दे सकता हूँ । मैंने आपको इसलिये बन्द किया है कि यह सवाल इस वक्त नहीं उठ सकता है । आप मूझे लिखें कि क्या उठाना चाहते हैं, मैं आपको वक्त दूंगा, वक्त मूकरर कर दूंगा और तब आप उठा लीजिये ।

श्री मधू लिमये : व्यवस्था का प्रश्न भी पेश नहीं करते देते हैं ।

अध्यक्ष महोदय : व्यवस्था का प्रश्न भी जो सामने विजनेस है, उसके सम्बन्ध में तो उठ सकता है, दूसरी किसी चीज के सम्बन्ध में नहीं उठ सकता है । यह बात अब सामने नहीं है ।

12.02 hrs.

RE: REGULATIONS OF QUESTION HOUR

Shri H. N. Mukerjee (Calcutta Central): May I request that in regard to the points of order raised during the question hour, you may please call some kind of a meeting so that we can minimise them. It impinges upon the one hour that we have got. We have missed some important questions because time was taken up on points which led nowhere. . . (Interruptions.)

An hon. Member: The hon. Speaker wanted such a meeting.